स्वामी रामानंद तीर्थ
मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
''ज्ञानतीर्थ'', विष्णुपुरी, नांदेड.

द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम (सत्र पद्धति)
(स्नातक स्तर)

जून २०१० से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए.,बी.एस्सी., बी.कॉम- (द्वितीय भाषा हिंदी)

द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम की रूपरेखा (तृतीय सत्र)

गद्य सुमन - राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली

(कथेतर गद्य तथा प्रयोजन मूलक हिंदी)

पाठ्यक्रम :

१. गद्य सुमन- राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली

- नाखून क्यों बढते हैं ? निबंध - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे व्यंग्य - शरद जोशी
- धरती और धान जीवनी अंश - पांडे बेचन शर्मा 'उग्र'
- सुभान खाँ रेखाचित्र - रामवृक्ष बेनीपुरी
- निराला भाई संस्मरण - महादेवी वर्मा
- भूमि दर्शन की भूमिका (ऋण जल- धन जल से) रिपोर्ताज - फणीश्वरनाथ रेणु

२. प्रयोजन मूलक हिंदी

अ) अनुवाद - मराठी से हिंदी तथा अंग्रेजी से हिंदी

ब) जनसंचार के माध्यम में प्रयुक्त हिंदी

I - जनसंचार के माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी

II - जनसंचार की विशेषताएँ

III - जनसंचार के माध्यमों की उपयोगिता

IV - जनसंचार माध्यमो के लिए समाचार लेखन

(संदर्भ ग्रंथ :) प्रयोजन मूलक हिंदी के भाषा रुप : डॉ. माधव सोनटक्के,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

प्रयोजन मूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदरे,

प्रयोजन मूलक हिंदी - अधुनातन आयाम- डॉ. अंबादास देशमुख-शैलजा प्रकाशन, कानपूर.

अंतर्गत अंक -२०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए.,बी.एस्सी., बी.कॉम- (द्वितीय भाषा हिंदी)

द्वितीय वर्ष प्रश्नपत्र का प्रारूप (तृतीय सत्र)

गद्य सुमन - राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली

(कथेतर गद्य तथा प्रयोजन मूलक हिंदी)

		अंक : ४०
प्र.१.	ससंदर्भ व्याख्या :	
	अ) कथेतर गद्यपर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र.२.	कथेतर गद्य पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.३.	जनसंचार के माध्यम पर विकल्प के साथ प्रश्न	१०
प्र.४.	अनुवाद : मराठी से हिंदी में अथवा अंग्रेजी से हिंदी में।	०५

		४०
	अंतर्गत अंक -	१०

		५०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए.,बी.एस्सी., बी.कॉम- (द्वितीय भाषा हिंदी)

द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम की रूपरेखा (चतुर्थ सत्र)

राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली

(उपन्यास तथा प्रयोजन मूलक हिंदी)

पाठ्यक्रम :

१. उपन्यास - सारा आकाश, लेखक राजेंद्र यादव

राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

२. प्रयोजन मूलक हिंदी

अ) **विज्ञापन**

I - विज्ञापन के प्रकार

II - विज्ञापन के माध्यम

III - विज्ञापन की विशेषताएँ

IV - समाचार पत्र, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के लिए विज्ञापन लेखन

ब) कम्प्यूटर में हिंदी का प्रयोग

I - कम्प्यूटर सामान्य परिचय

II - कम्प्यूटर की उपयोगिता

III - कम्प्यूटर के प्रकार

IV - कम्प्यूटर के अंग

(संदर्भ ग्रंथ :) प्रयोजन मूलक हिंदी के भाषा रुप : डॉ. माधव सोनटक्के,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

प्रयोजन मूलक हिंदी : सिध्दांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदरे,

प्रयोजन मूलक हिंदी - अधुनातन आयाम- डॉ. अंबादास देशमुख-शैलजा प्रकाशन, कानपूर.

अंतर्गत अंक -१०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए.,बी.एस्सी., बी.कॉम- (द्वितीय भाषा हिंदी)

द्वितीय वर्ष प्रश्नपत्र का प्रारूप (चतुर्थ सत्र)

राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली

(उपन्यास तथा प्रयोजन मूलक हिंदी)

अंक : ४०

प्र.१.	ससंदर्भ व्याख्या : अ) उपन्यास सारा आकाश पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र.२.	उपन्यास सारा आकाश पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.३.	कम्प्यूटर में हिंदी का प्रयोग विकल्प के साथ प्रश्न	१०
प्र.४.	विज्ञापन पर विकल्प के साथ प्रश्न ।	०५

		४०

अंतर्गत अंक - १०

५०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-३

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (तृतीय सत्र)

काव्यांजलि (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता)

पाठ्यक्रम :

अ) मध्ययुगीन कविता- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

१. नामदेव - पाँच पद
२. कबीर - पंधरह साखियाँ
३. सूरदास - विनय तथा वात्सल्य के पद
४. तुलसीदास - कवितावली से पाँच, वनगमन प्रसंग पद
५. जायसी - पद्मावत से बारह मासा वर्णन के अंतर्गत आषाढ से अगहन तक
६. बिहारी - दस दोहे
७. भूषण - पाँच पद
८. रहीम - दस दोहे

ब) भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद का प्रवृत्तिगत अध्ययन।

****

अंतर्गत अंक - १०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-३

प्रश्नपत्र का प्रारूप (तृतीय सत्र)

काव्यांजलि (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता)

अंक : ८०

प्र.१.	भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद की प्रवृत्तियोंपर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न।	१०
प्र.२.	ससंदर्भ व्याख्या : अ) मध्ययुगीन कविता पर विकल्प के साथ संदर्भ।	१०
प्र.३.	मध्ययुगीन कविता पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न ।	१५
प्र.४.	टिप्पणियाँ	
अ.	मध्ययुगीन कविता पर विकल्प के साथ टिप्पणी।०५	

		४०
	अंतर्गत अंक	१०

		५०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-३

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (चतुर्थ सत्र)

काव्यांजलि (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता)

पाठ्यक्रम :

अ).	९.	भारतेंदु	- भारत के भुजबल जगरक्षित(भारत दुर्दशा से)
	१०.	मैथिलीशरण गुप्त	- शिक्षा की अवस्था (भारत भारती से)
	११.	सुमित्रानंदन पंत	- ताज
	१२.	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	- कवि कुछ ऐसी तान सुनाव
	१३.	हरिवंशराय बच्चन	- जो बीत गई सो बात गई
	१४.	अज्ञेय	- नदी के द्विप
	१५.	केदारनाथसिंह	- जिने के लिए कुछ शर्तें
	१६.	प्रा.दामोदर मोरे	- ये डरे हुए पेड

ब). प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन ।

****

अंतर्गत अंक - १०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-३

प्रश्नपत्र का प्रारूप (चतुर्थ सत्र)

काव्यांजलि (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता)

अंक : ४०

प्र.१.	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की प्रवृत्तियोंपर विकल्प के साथदीर्घोत्तरी प्रश्न।	१०
प्र.२.	ससंदर्भ व्याख्या :	
	अ) आधुनिक कविता पर विकल्प के साथ संदर्भ।	१०
प्र.३.	आधुनिक कविता पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न।	१५
प्र.४.	टिप्पणियाँ	
अ.	आधुनिक कविता पर विकल्प के साथ टिप्पणी।	०५

		४०
	अंतर्गत अंक	१०

		५०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-४

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (तृतीय सत्र)

निबंध सौरभ (निबंध तथा कथेत्तर गद्य)-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक : ८०

पाठ्यक्रम :

अ) निबंध के प्रकार - वैचारिक निबंध, व्यंग्य निबंध, ललित निबंध, भावात्मक निबंध तथा निबंध के तत्त्व ।

ब) निबंध :

१) होली है । - प्रताप नारायण मिश्र

२) मित्रता - रामचंद्र शुक्ल

३) अशोक के फूल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

४) मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्णसिंह

५) बनाम लॉर्ड कर्झन - बालमुकुंद गुप्त

क) कथेत्तर गद्य :

११) राजर्षि का जीवन दर्शन - माखनलाल चतुर्वेदी

१२) प्रथम भेंट अंतिम भेंट - महादेवी वर्मा

****

अंतर्गत अंक - १०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-४

प्रश्नपत्र का प्रारूप (तृतीय सत्र)

निबंध सौरभ (निबंध तथा कथेत्तर गद्य)-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक : ४०

प्र.१.	निबंध के प्रकार तथा तत्व पर विकल्प के साथ प्रश्न ।	१०
प्र.२.	ससंदर्भ व्याख्या : अ) पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंध पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र.३.	निबंध पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
प्र.४.	कथेत्तर गद्य पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०

		४०
	अंतर्गत अंक	१०

		५०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-४

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (चतुर्थ सत्र)

निबंध सौरभ (निबंध तथा कथेत्तर गद्य)-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक : ८०

पाठ्यक्रम :

अ) निबंध विधा का इतिहास (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग)

ब) निबंध :

६) नीलकंठ उदास - कुबेरनाथ रॉय

७) अथातो घुमक्कड जिज्ञासा - राहुल सांकृत्यायन

८) पगडंडियों का जमाना - हरिशंकर परसाई

९) पराजय जुबली - शंकर पुणतांबेकर

१०) पच्चीसवा घण्टा - भदन्त आनंद कौसल्यायन

क) कथेत्तर गद्य :

१३) अदम्यजीवन - रांगेय राघव

१४) बैलगाडी से यात्रा - श्रीलाल शुक्ल

१५) श्रीनिवास रामानुजम - बाल शौरी रेड्डी

****

अंतर्गत अंक - १०

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र-४

प्रश्नपत्र का प्रारूप (चतुर्थ सत्र)

निबंध सौरभ (निबंध तथा कथेतर गद्य)-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

		अंक : ४०
प्र.१.	निबंध विधा के इतिहास पर विकल्प के साथ प्रश्न।	१०
प्र.२.	ससंदर्भ व्याख्या :	
	अ) पाठ्यक्रम सम्मिलित निबंध पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र.३.	निबंध पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न।	१०
प्र.४.	कथेतर गद्य पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न।	१०

		४०
	अंतर्गत अंक	१०

		५०

****